मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि

बेसिक के पाठ्यक्रम का काव्यमय संकलन

विषय-हिन्दी

50

संकलन

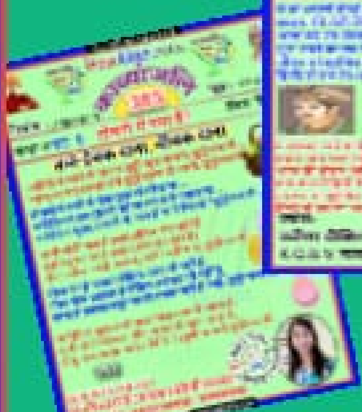

काव्यांजलि टीम
मिशन शिक्षण संवाद

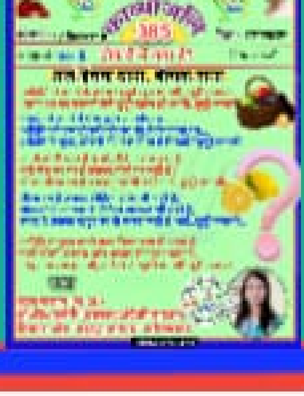

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 231

काव्यांजलि मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक-02 जुलाई'19

दिन - मंगलवार

कक्षा-जूनियर स्तर,समास भाग-1 विषय-हिंदी

तर्ज-सुनो जी दुल्हन एक बात सुनो जी

आओ बच्चों! समास समझ लो,
शब्द का छोटा रूप समझ लो।
दो या अधिक शब्द मिल जाते,
नया शब्द समास बनाते।।

अब आयी भेदों की बारी,
छः है इनकी संख्या सारी।
अभी सिखाएं तुमको तीन,
याद रखना न बहुत कठिन।।

पहला अव्ययीभाव है आता,
पूर्व पद है प्रधान हो जाता।
समस्त पद अव्यय बन जाता,
विभक्ति चिह्न नहीं है लगता।।

दूजा है तत्पुरुष समास,
उत्तर पद है इसमें प्रधान।
पूर्व पद है गौण हो जाता,
कारक अनुरूप नाम हो
जाता।।

कर्मधारय तीजा पढ़ लो,
उत्तरपद है प्रधान समझ लो।
पूर्व और उत्तर पद में जो,
विशेषण-विशेष्य संबंध बनाता।।
उपमान-उपमेय संबंध बनाता।।

रचना

पूजा सचान (स.अ.)
प्रा०वि०मसेनी (बालक)अंग्रेजी माध्यम,
विकास क्षेत्र- बढ़पुर,जनपद- फर्रुखाबाद

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 213

दिनांक- 23 जून'19 दिन -रविवार

कक्षा-6

सम्पूर्ण मंजरी

विषय-हिन्दी

'चिर महान है' एक ,दूसरा 'अपना स्थान स्वयं बनाइये'।
'आप भले तो जग भला' तीजा,चार में 'नीति के दोहे' गाइये।
मेरी मां है पांच पाठ पर,छः में 'क्यों-क्यों लड़की'।
'माँ कह एक कहानी' सप्तम है कविता सुंदर सी।
आठ पाठ में 'हार की जीत' सुदर्शन की रचना महान।
नवें पाठ में 'हिन्द महासागर में छोटा सा हिन्दुस्तान'।
'ईदगाह' है 10 वें पाठ में ग्यारहवां पाठ 'समर्पण'।
बारहवां 'साप्ताहिक धमाका' फिर भगतसिंह के पत्र।
'लोकगीत' है चौदहवाँ,'खग उड़ते रहना' पन्द्रहवां।
'कौन बनेगा निंगथउ राजा' पाठ रखा सोलहवाँ।।
17 'बादल चले गए वे' अठरा में बहादुर बेटा।
'इसे जगाओ' उन्नीस जानों,20 में 'छिपा रहस्य' समेटा।।
इक्कीस पाठ में सुंदर रचना 'आओ फिर से दिया जलाएं'
कक्षा 6 की मंजरी पुस्तक के सारे पाठ तुम्हे बतलाएं।

रचना-
राज कुमार शर्मा (प्र०अ०)
U.P.S,चित्रवार,क्षेत्र-मऊ
जनपद-चित्रकूट,(उ.प्र.)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

काव्यांजलि मिशन शिक्षण संवाद

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि

काव्यांजलि मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक- 03 अगस्त'19 **295** दिन - शनिवार

कक्षा-3,पाठ-5 विषय-कलरव

साहसी सीमा

रात का समय था,माता-पिता गये दादी के घर।
गाँव में बाढ़ आयी,सारा गाँव गया पानी से भर।।
बताओ-बचाओ,भागो की आवाज लगाकर।
भागने लगा हर कोई,अपनी जान बचाकर।।
सीमा और भाई ने सामान,ऊँचे जगहों पर पहुँचाया।
देखते-देखते पानी,घर में कमर तक घुस आया।।

सूझ से अपनी सीमा,भाई को छत तक लायी।
एक दूजे को ढाँढस बाँधा,दोनों ने रात बितायी।।
सुबह हुई मन में उनके,सूरज ने आस जगाई।
सीमा ने फिर,रहीम चाचा को आवाज लगायी।।
बचाव कार्य के लिए जब,मोटर बोट जो आयी।
सीमा व भाई ने जान बचा,सुरक्षित स्थान पायी।।
माता –पिता से मिलकर,दोनों खूब हर्षाये।
सूझ-बूझ से अपने वो,बच्चों नवजीवन पाये।।

रचना-
वन्दना यादव "गजल" (स.अ.)
P. S.चन्दवक,डोभी,जौनपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 278

दिनांक- 25जुलाई'19

दिन - गुरुवार

कक्षा-4

स्वतंत्रता की ओर

विषय-हिंदी

लिया जन्म जिस भूमि में श्री राम ने,
रची लीला मुरली मनोहर ने,,
किया दुराचार अधर्म का अंत,
दिखाया सच्चाई और धर्म का पथ,,
ऐसी भूमि वन्दनीय है।
भारत भूमि वन्दनीय है।

है मुकुट जिसका विशाल हिमालय,
हैं जहाँ कश्मीर की मोहित वादी,,
संगम गंगा जमुना का ,
करता हो शहर इलाहाबादी,,
ऐसी भूमि सुशोभनीय है।
भारत भूमि सुशोभनीय है।

मिलते हो जहाँ गीता के उपदेश,
विवेकानन्द,नानक,बुद्ध,गांधी जी के सन्देश,,
हो जिस भूमि पर अनेक भाषाओं,
रीतियों,का समावेश,,
ऐसी भूमि महान है।
भारत भूमि महान है।।

रचना-मोनिका रावत(स.अ.)
रा०प्रा०वि०पैठाणी
थलीसैण, पौड़ी गढ़वाल।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 279

दिनांक-26 जुलाई '19

दिन - शुक्रवार

कक्षा -3 पाठ-10 **बंदर बाँट** विषय - हिंदी (कलरव)

सुनो सुनाऊं एक कहानी,
दो बिल्ली थीं बड़ी सयानी,
करती वो हरदम मनमानी,
कर बैठी एक दिन नादानी।

भूखी बिल्ली खोज रहीं थी,
इधर उधर कुछ खाने को,
दिखाई दी जब एक रोटी,
लपकी दोनों पाने को।

इसने खींचा उसने खींचा,
करती दोनों झपटी झपटा,
एक रोटी को पाने को वो,
दोनों खींचें मार झपट्टा।

दोनों में रोटी पाने को,
हो गया मोटा झगड़ा,
देख के उनका झगड़ा,
आया एक बन्दर तगड़ा।

हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा ०वि ० मुकंदपुर
ब्लॉक - लोधा
जनपद - अलीगढ

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 265

दिनांक-19 जुलाई '19

दिन - शुक्रवार

कक्षा-3

खरगोश और हाथी

विषय- कलरव

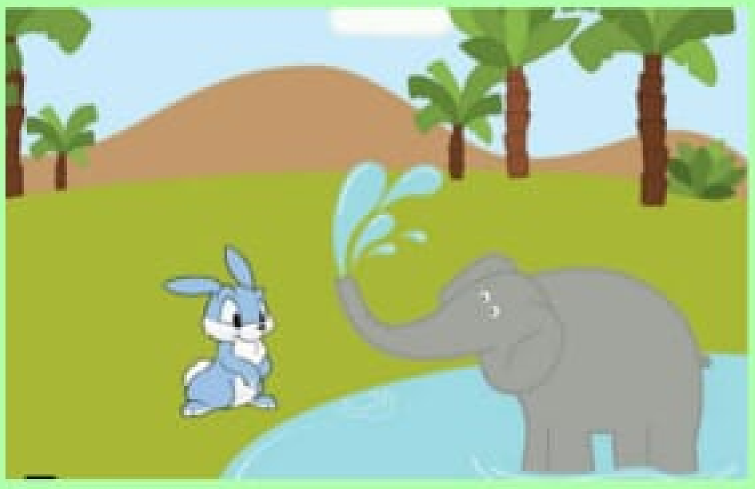

एक जंगल में हाथियों का झुंड रहता था,
वर्षा हुई नहीं, सुखे का कहर बरपा था।
नदी, नाले, तालाब,झरने सब सूख गये थे,
पानी के तलाश में,हाथी दूजे जंगल गये थे।
एक तालाब सदा, पानी से भरा रहता था ,
खरगोशों का झुंड भी, वही रहा करता था।
हाथियों के पैरों से दब,कुछ खरगोश मारे गये
छोड़ दे तालाब सब, आपस में विचारे गये।
दूजे दिन जब हाथी, पानी पीने आये,
लम्बकर्ण ने फिर, ऊँचे आवाज लगाये ।
तालाब का स्वामी चन्द्रमा है, तुम सब पर नाराज,
दबकर मरे खरगोश बहुत, गिरेगी तुम पर गाज।
लम्बकर्ण हाथियों को,पानी में चन्द्र दर्शन कराता है,
भयभीत होकर राजा, अपने जंगल चला जाता है।

रचना-
वन्दना यादव "गज़ल"
अभिनव प्रा०वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 270

दिनांक-21 जुलाई'19

दिन -रविवार

कक्षा-प्राथमिक स्तर

मुहावरे

विषय-हिंदी व्याकरण

तर्ज-आओ बच्चों तुम्हें दिखाएँ झाँकी हिन्दुस्तान की

आओ बच्चों तुम्हें सिखायें मुहावरे कुछ खास
याद हो जाएँगे ये जल्दी मुझको हैं पूरा विश्वास
मुहावरे मुहावरे मुहावरे मुहावरे
नौ दो ग्यारह होना मतलब फुर्र से भाग जाना
हाथ पैर फूलने का अर्थ है अधिक डर जाना
पेट में चूहे कूदना मतलब तेज भूख का आभास
याद हो जाएँगे ये जल्दी मुझको है पूरा विश्वास
मुहावरे मुहावरे मुहावरे मुहावरे
बहुत दिन बाद दिखना मतलब ईद का चाँद होना
निश्चिन्त होकर सोना कहाये घोड़े बेंचकर सोना
दिन रात एक करने का अर्थ है करना बहुत प्रयास
याद हो जाएँगे ये जल्दी मुझको है पूरा विश्वास
मुहावरे मुहावरे मुहावरे मुहावरे
घी के दिए जलाना मतलब बहुत खुशी मनाना
आँखो का तारा कहलाए बड़ा ही प्यारा होना
कंगाली में आटा गीला अर्थ कमी में और ह्रास
याद हो जाएंगे ये जल्दी मुझको है पूरा विश्वास
मुहावरे मुहावरे मुहावरे मुहावरे

रचना-गीता यादव (प्र.अ.)
P.S.मुरारपुर, क्षेत्र-देवमई
जनपद-फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 269

दिनांक-21 जुलाई'19

दिन -रविवार

कक्षा-4 पाठ-2 प्यासी मैना विषय-कलरव

एक थी प्यारी मैना रानी,मैना रानी बड़ी सयानी।
हुयी प्यास से एक दिन व्याकुल,कहीं नही है पानी बिल्कुल।
चली खोजने दाना पानी,तोते से फिर मिली सयानी।
तोते से अपनी व्यथा बतायी,तोते ने उस पर दया दिखायी।
नजर न आया कहीं भी नीर,अब किसको बताए अपनी पीर।
नजर आया फिर एक कबूतर,उसके पास पहुंचे फिर उड़कर।
कबूतर भाई पानी का पता दो,हम दोनों का दर्द मिटा दो।
तीनों उड़े साथ-साथ में,पहुंच गए एक मकान में।
मकान का आगंन भी सूखा,अब कोई उपाय न सूझा।
तीनों उदास बैठे पीपल पर,गौरैया भी बैठी उस पर।
गुटरगूँ-गुटरगूँ करे कबूतर,गौरैया से बोला मिलकर।
अपनी खुशी का राज बता दो,हमारी परेशानी हल करा दो।
साथ चली गौरैया उनके,ले गई एक आँगन मे।
आँगन का नजारा बहुत ही प्यारा,पेड़-पौधों से हरा-भरा।
मिट्टी का एक हौज नजर आया,उसमें पानी भरा पाया।
पानी को देख सबके मन हर्षे,पीकर पानी सब नाचे जमके।

'रचना'
ज्योति पटेल(स०अ०)
प्रा०वि० बरमपुर
क्षेत्र व जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 268

दिनांक-20 जुलाई'19

दिन -शनिवार

कक्षा-8 पाठ-3

सच्ची वीरता

विषय-हिन्दी

भूतल पर जो वीर हुआ करते हैं,
खुद तीर औ शमशीर हुआ करते हैं।
इनके सम्मुख कौन भला टिक पाता है?
सागर के गर्जन से गम्भीर हुआ करते हैं।।
वैरी को रण में पछाड़ वे देते हैं,
विघ्नों के पर्वत उखाड़ वे देते हैं।
वैरियों का साहस चुक जाता है,
मृत्युंजय से रणधीर हुआ करते हैं।।
अंग पुष्ट होते वीरों के सारे,
ढंग अलग होते वीरों के सारे।
कौन मात दे सकता इनको रण में,
वे अनुपम तस्वीर हुआ करते हैं।।

रचना-
प्रवीणा दीक्षित
KGBV,कासगंज

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 143

दिनांक- 19 मई'19

दिन - रविवार

कक्षा-1 *पाठ-15*

दादा जी

विषय- कलरव

दादा जी आये, दादा जी आये,
देखो कितने हैं, संग पौधे लाये।
दादा तुम कौन-कौन से पौधे लाये,
बच्चों ने नीम,जामुन व कटहल पाये।
हम सब मिलकर पौधे लगाएंगे,
कुछ दिन बाद इनमें भी फल आएंगे।
आज बागों में जो इतना फल उतराया है,
वर्षों पहले किसी ने इन्हें लगाया है।
रोज पानी दो और करो देखभाल,
पौधों से ही बने जीवन खुशहाल।

रचना~
वन्दना यादव 'गज़ल'(स.अ.)
अभिनव प्रा.वि.चन्दवक
डोभी,जनपद-जौनपुर

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 223

दिनांक- 29 जून'19

दिन - शनिवार

कक्षा-2 पाठ- 6 **ममता का घर** विषय- कलरव

ममता का गांव है मानावाला।
मिट्टी का घर,दालान व गौशाला।।
आम के पेड़ पर रोज झूला झूलते।
भाई- बहन दोनों खुशी से खेलते।।
ममता,गगन सुबह उठ दातून करते।
नहा-धोकर दोनों फिर नाश्ता करते।।
दोनों रोज स्कूल को जाते।
शिक्षा पाकर घर को आते।।
पहले बस्ता खूँटी पर टांगते।
हाथ मुंह धोकर खाना खाते।।
पिता सहयोग करते,गर माँ को देर होती।
भोजन में होता दाल,चावल, सब्जी,रोटी।।
बाबूजी खेत पर काम को जाते।
लौटकर बैलों को चारा खिलाते।।
बिजली जाये तो,लैंप जलाकर।
फिर दोनों पढ़ते ध्यान लगाकर।।
रात को दादी रोज कहानी सुनाती।
परियों की रानी सपने में आती।।

रचना
वन्दना यादव " गज़ल"
अभिनव प्रा०वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 245

दिनांक- 09 जुलाई'19 | दिन - मंगलवार

कक्षा-जूनियर स्तर,समास भाग-2 विषय-हिंदी

तर्ज़- अच्युतं केशवं कृष्ण दामोदरं

बच्चों अब शेष समास की,गाथा सुन लो।
द्विगु,द्वन्द,बहुव्रीहि हैं,तुम याद कर लो।।
बच्चों चौथा है समझो ये द्विगु समास,
पूर्वपद संख्यावाचक विशेषण पहचान।
जैसे सप्ताह में होते हैं सात दिन,
देखो होता नहीं द्विगु समूहों के बिन।।
बच्चों पांचवां आया देखो द्वन्द समास,
दोनों पद होते हैं सुन लो इसमें प्रधान।
विग्रह पर 'और' 'या' का है होता प्रयोग,
जैसे माता और पिता में होते दोनों समान।।
जब दोनों में से कोई पद प्रधान न हो,
किसी तीसरे ही पद की प्रधानता हो।
यही बहुव्रीहि समास की होती पहचान,
जैसे महावीर महान वीर हनुमान।।

रचना

पूजा सचान (स.अ.)
प्रा०वि०मसेनी (बालक)अंग्रेजी माध्यम,
विकास क्षेत्र- बढ़पुर,जनपद- फर्रुखाबाद

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 241

दिनांक-7 जुलाई'19

दिन -रविवार

कक्षा-6

जग जीवन में जो चिर महान

विषय-हिन्दी

जग में जीवन में जन,चिर महान बने।
सौंदर्य पूर्ण होवें जनजीवन, प्राण हों सत्य सने।
हे जग में जीवन में..
प्रेमी नाथ मैं बनू,भाव हों जनकल्याण भरे।
जीव प्रेम मानव हित में,सब कर्म समान करे।..
हे..जग में जीवन में....
शक्ति मिले छूटे भय संशय, जीव सत्कर्म करे।
अन्धभक्ति को छोड़ जगत, जन में विश्वास भरे।
हे..जग में जीवन में....
हे नाथ बनूं मैं प्रकाश पुंज जन जीवन दिव्य करे।
प्रकाशवान हो अखिल विश्व सब अंधकार हरे।
हे जग में जीवन में....
प्रभु पा तुमसे अमरदान, मानव कल्याण करे।
जीव शरीर मनुजतन की, रक्षा हित दम्भ भरे।
हे जग में जीवन में....
ला सकूं ज्योति जो ज्ञान की हो,मानव अज्ञान हरे।
कर सकूं विश्व को ज्ञानवान, चहूँ ओर भोर करे।
हे जग में जीवन में..

रचना-
नैमिष शर्मा(स.अ.)
U.P.S तेहरा,विकास खण्ड –मथुरा
जनपद – मथुरा (उ.प्र.)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

आप सभी का दिन शुभ हो।

काव्यांजलि मिशन शिक्षण संवाद

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 267

काव्यांजलि मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक-20 जुलाई'19

दिन -शनिवार

कक्षा-4

घमंडी का बाग

विषय-हिन्दी

एक बाग था बड़ा ही सुन्दर,
चिड़ियाँ गातीं उसके अन्दर।
बड़ा घमंडी बाग का मालिक,
एक रोज वह आया वापिस।

बाग के बाहर बोर्ड लगाया,
उस पर उसने वाक्य लिखाया।
बच्चों का आना सख्त मना है,
खेलने के लिए न जगह यहाँ है।

फिर वसंत का मौसम आया,
और चिड़ियों ने गाना गाया।
पर उसके बाग में एक फूल ना,
बन्द चिड़ियों का हुआ चहकना।।

वो सोचे अपने मन-मन में,
क्यों वसंत न आया मेरे उपवन में।
एक दिन लेटा वह शाम को,
मधुर गीत सुनाई दिया कान को।।

वह जल्दी से बाग में आया,
बाग में उसने बच्चों को पाया।
उसके बाग में फूल खिले थे,
बच्चे पंछी संग हिले मिले थे।।

उसे समझ में आयी कहानी,
आँखों में भर आया पानी।
नन्हें बच्चे को गोद उठाया,
और बच्चों को गले लगाया।।
वह समझ गया अपनी भूल,
बच्चे उपवन के सच्चे फूल।

रचना - पूजा दुबे(स.अ)
प्रा० वि० बिहारा-1
क्षेत्र व जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 247

दिनांक-10जुलाई'19

दिन - बुधवार

कक्षा-3

विषय-कलरव

मुर्गा और लोमड़ी

●लोमड़ी –गाँव में तो मुर्गे ज़मीन पर चल रहे हैं।
आप यहाँ डाल पर क्या कर रहे हैं।
●मुर्गा-जानना चाहती हो मैं यहाँ क्या कर रहा हूँ।
मैं तो बस खूंखार जानवरों से डर रहा हूँ ।

●लोमड़ी-ओ! डाल पर बैठे हुए मुर्गे लाचार।
क्या नहीं सुना,एक बड़ा समाचार।
पशु-पक्षियों में एक समझौता रहेगा।
कोई एक दूसरे पर हमला नहीं करेगा।
●मुर्गा-वास्तव में ये तो दुनिया का,सबसे अच्छा समाचार है।
पशु-पक्षियों ने किया , बहुत ही बढ़िया विचार है।

●लोमड़ी-आ जाओ नीचे,अब क्या सोच रहे हो।
गर्दन उठाकर ऊपर, क्या देख रहे हो।
●मुर्गा-जंगल में कुछ जानवर,धूल को उड़ा रहे हैं।
लगता है इधर ,शिकारी कुत्ते आ रहे हैं।

●लोमड़ी-मन में न जाने कैसी,मची है खलबली।
अच्छा!क्षमा करना मित्र,अब मैं चली।
●मुर्गा-अरे ! तुम इतना क्यों घबरा रही हो।
समझौते के बाद भी भागी जा रही हो।
●लोमड़ी-आप की बात सत्य है, और ज्ञान भी दोगुना है।
शायद समझौते की बात,कुत्तों ने नहीं सुना है।

शशिकान्त संघमित्रा ,
प्रा०वि०मरवटिया,
नौगढ़- चन्दौली

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 227

दिनांक- 30 जून'19 | दिन - रविवार

कक्षा-2 पाठ-8 | विषय- कलरव

मेला

शिवपुर का मेला देखने चली श्यामा,
नई-नई फ्रॉक है आज उसने पहना।
माँ,पापा,चाचा,सब गाड़ी में जा बैठे,
हवाई जहाज देख बच्चे खुशी से चहके।
कुछ ही देर में वो जा पहुँचे मेला मैदान में,
तरह-तरह की चीजें बिक रही थीं दुकान में।
पहले घूमे,खेले खाये,सर्कस का लुत्फ़ उठाये,
जादूगर ने जादू के फिर कई करतब दिखाये।
सबने कुछ न कुछ सामान खरीदा,
खुशियों ने था सबके मन को जीता।

रचना-
वन्दना यादव " गज़ल"
अभिनव प्रा०वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 156

दिनांक- 25 मई'19

दिन- शनिवार

कक्षा-2 पाठ-5 **टपका का डर** विषय-कलरव

बरसात का पानी बरस रहा था,
दादी का घर भीग सरस रहा था।
जब छप्पर पर पानी टप-टप करता,
दादी परेशान,दिल धक-धक करता।
छप्पर हुआ बहुत पुराना था ,
अब ओले भी पड़ते जाना था।
ओलों के बौछार से,बाघ हुआ परेशान,
कूद-फाँद के दादी घर,जा पहुँचा मेहमान ।
पानी की टप-टप से,दादी हुई परेशान ,
कोई तो बचा दो मेरी, इस टपका से जान।
बाघ यह सुनकर भागा,हुआ बहुत हैरान ,
बड़ा जानवर होगा कोई ,या होगा शैतान।

रचना-
वन्दना यादव "गज़ल" (स.अ.)
अभिनव प्रा० वि० चन्दवक
डोभी,जौनपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 294

दिनांक- 02अगस्त'19 — दिन - शुक्रवार

कक्षा-4/5 — **मेरा गाँव** — विषय-हिन्दी

कोयल बोली कुहू कुहू,बिल्ली बोली म्यांऊ..
मीठी बोली सुनना है तो, आना मेरे गांव..कोयल बोली..

बन्दर कूदे डाली डाली,पीपल देता छांव..
शुद्ध हवा गर पाना है तो,आना मेरे गांव....कोयल बोली..

झगड़ा करना कभी न होता,बैठे सब इक ठांव.
अपना पनघट पाना है तो,आना मेरे गांव.. कोयल बोली....

दादा दादी का आशीष,आंचल मां का छाँव..
प्यार सभी का पाना है तो,आना मेरे गांव..कोयल बोली..

रचना~ साहब सिंह बर्त्वाल
स.अ. रा.प्रा.वि.चौंरा नैलचामी
भिलंगना, जिला टिहरी गढवाल
उत्तराखण्ड

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 119

दिनांक-07 मई'19 दिन- मंगलवार

कक्षा-प्राथमिक स्तर **विलोम शब्द** विषय-कलरव

तर्ज़-मेरे रश्के कमर (फ़िल्म-बादशाहो)

एक दूजे का उल्टा अर्थ बताते हैं जो,
सुनो बच्चों "विलोम शब्द" कहलाते हैं वो।
जैसे "दिन" डूबता "रात" हो जाती है,
जैसे "पानी" डालो "आग" बुझ जाती है।
"सर्दी" के जाते ही "गर्मी" आ जाती है,
जैसे पढ़ते "सुबह" से "शाम" हो जाती है।
"झूठ" बोलना नहीं "सच" ही बोलना सदा,
"प्रेम" सबसे करो न करो तुम "घृणा"।
"उचित-अनुचित" है क्या ये भी तुम जान लो,
"गंदगी" "सफाई" में अंतर पहचान लो।
चाहे "सुख" हों या "दुःख" हिम्मत रखना सदा,
जो "नूतन" है एक दिन "पुरातन" होगा।
जिसको "आना" है उसको "जाना" भी है,
जो "नया" है उसे होना "पुराना" भी है।
छोटी से एक रचना विलोम शब्द की,
बच्चों मुझको बताना कैसी तुमको लगी।

पूजा सचान,EMPS, मसेनी
(बालक),क्षेत्र-बढ़पुर,
जनपद-फर्रुखाबाद

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 130

दिनांक- 11मई'19

दिन - शनिवार

कक्षा-5,पाठ-8

मै और मेरा देश

विषय-हिन्दी

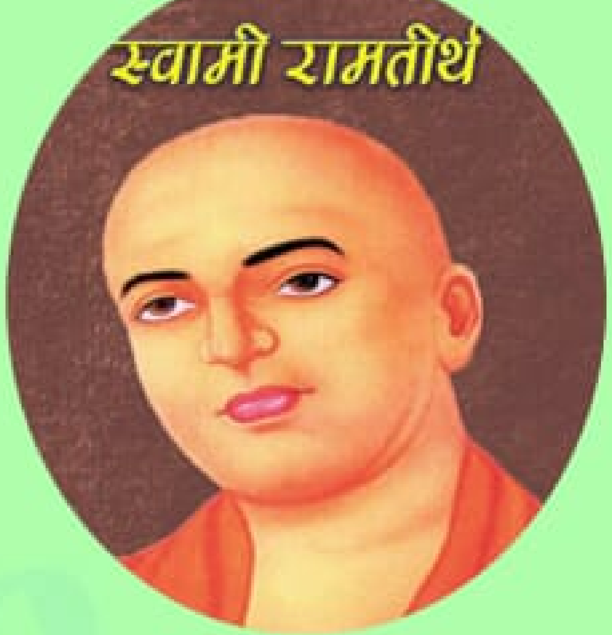

सन्त स्वामी रामतीर्थ,एक बार गये जापान।
भूख लगी पर फ़ल नहीं,कैसे करें जलपान।।
सुन रहा था जापानी युवक,खड़े-खड़े प्लेटफार्म।
एक टोकरी फल लाया,उसमे थे मीठे ताजे आम।।
स्वामी जी हर्षाये बहुत,देना चाहे उसे इनाम।
हाथ जोड़ विनती की उसने,देश न हो मेरा बदनाम।।
उस बालक ने देश का,गौरव था खूब बढ़ाया।
दूजा एक वाक्या ज़हन में,था और भी आया।।
किसी देश का युवक एक ,जापान में शिक्षा लेने आया।
सरकारी पुस्तकालय से,किताब ले वो बहुत हरषाया।।
पुस्तक में अति दुर्लभ चित्र मिले तो, कुटिलता मन में समाया।
किताब से चित्र अलग कर,उसने पुस्तक वापस लौटाया।।
सहपाठी ने चोरी की सूचना,प्रभारी तक पहुँचाया।
पुलिस तलाशी में दुर्लभ चित्र,बालक के कमरे से पाया।।
अपराधी को दंड मिला,छोड़ो तुरन्त देश जापान।
खुद के संग धूमिल हुआ,उसके देश का अभिमान।।
सुनों प्यारों ! देश प्रतिष्ठा कभी न लगाओ दांव।
सम्मान मिलें जग में,सुसंस्कृति का फैलें सदा पांव।

रचना-
वन्दना यादव "गजल" (स.अ.)
P. S.चन्दवक,डोभी,जौनपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 324

दिनांक- 17 अगस्त'19

दिन - शनिवार

कक्षा-8, पाठ-2 "काकी" विषय-हिंदी

आओ बच्चों तुम्हें सुनायें
कथा पुरानी रे।
माँ-बेटे की अंकित इसमें
अजब कहानी रे।।
एक सुबह उठकर श्यामू
ने दृश्य विचित्र निहारा,
माँ जमीन पर लेटीं थीं
और रोता था घर सारा।

सारे लोग घेरकर उनको
ले जा रहे कहीं थे,
मत ले जाओ मेरी काकी
श्यामू रो-रो बोले।
काकी गयीं राम के घर
को श्यामू सोच रहा था,
कैसे फिर वापस आयेंगीं
मारग खोज रहा था।

उड़ती एक पतंग तभी फिर
आसमान से झाँकी,
डोर पकड़कर धरती पर
आ सकतीं हैं काकी।
पापा कोट पहनते उससे
एक चवन्नी पाई,
उस छोट बच्चे श्यामू ने
एक पतंग मगायी।

फिर पतंग पर काकी लिखकर
पनभ में उसे उड़ाया,
तब तक पापा आकर
कड़के तू पतंग कहाँ से लाया?
अच्छा पैसे उड़ा दिए फिर
छड़ी हाथ में ले ली,
तब भोला ने बात भेद की
धीरे-धीरे खोली।

इस डोरी से ही तो काकी
धरती पर उतरेंगीं,
आकर अपने श्यामू को
बाँहों में भर लेंगीं।
सुनकर सन्न रह गए सब
श्यामू की वो बात,
उनकी आँखों में आँसू थे
मानो हो बरसात।

माँ की ममता कोई बच्चा
भूल नहीं पाता है,
भूले तो कैसे भूले ये ही
तो सच्चा नाता है।
इस नाते की कभी जगत से
मिटती नहीं निशानी,
आओ बच्चों! तुम्हें सुनाएं
एक विचित्र कहानी।

रचना-प्रवीणा दीक्षित, Kgbv Kasganj

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 348

दिनांक-29 अगस्त 2019 | दिन - गुरुवार

कक्षा-1 | **प्रकरण-छतरी** | विषय-हिन्दी

तनकर छतरी खुलकर बोली,
बादल भैया कब आओगे?
मेरी सहेली बूंदो को ,
कब तुम बरसाओगे?

बादल बोला सुन छतरी,
मै अगर बरस जाऊगाँ,
तू भीग जायेगी,
मै खुश हो जाऊँगा।

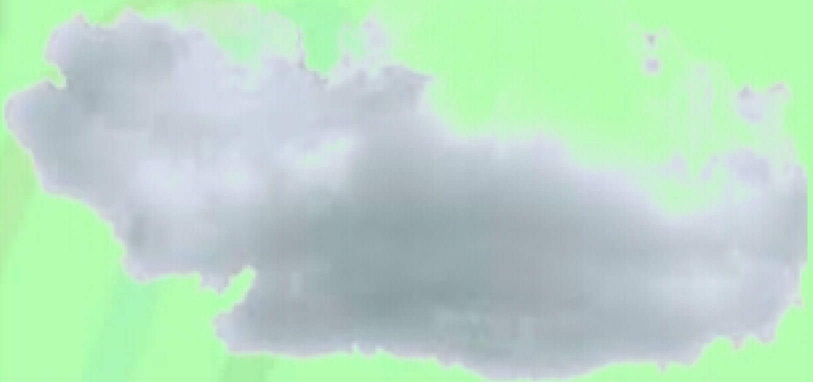

छतरी बोली बादल भैया
भीगना मेरा काम है,
मुझसे ही तो मिलता ,
संसार को आराम है।

नन्दी बहुगुणा
प्र० अ०
रा० प्रा० वि० रामपुर
नरेन्द्रनगर, जनपद टिहरी
उत्तराखण्ड

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 346

काव्यांजलि मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक- 28 अगस्त 2019 दिन- बुधवार

कक्षा-3,4 प्रकरण-विलोम की अवधारणा विषय-हिन्दी

बच्चों की सीधी दुनिया में
क्यों न कुछ, उल्टे का सुल्टा करें।
कुछ यूं सीखें, विलोम शब्द बनाना,
की हम बुराई का,अच्छाई करें।

हम सूखे में हरियाली खोजें,
ढूंढे विनाश में,हम विकास को।
दानव में हम,मानव ढूढें,
और अंधियारे में प्रकाश को।

अच्छाई का,बुरा न होवे,
झूठ कभी, सच बन ना पाये।
पड़े द्वेष ना, प्रेम पे भारी,
बैरी सभी,सखा हो जाये।

एक छोटी सी, कोशिश कर लें
सब उल्टे को, सुल्टा कर लें।

हो विलोम की कोई कल्पना,
आओ इसको, सीधा कर लें।

बच्चों की सीधी दुनिया में,
कुछ उल्टे का, सुल्टा कर लें।

शिक्षा का उत्थान, संवाद मिशन शिक्षण शिक्षक का सम्मान।

हरीश नौटियाल स०अ०
रा०प्रा वि सांकरी, वि०ख०मोरी
उत्तरकाशी,उत्तराखण्ड

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि 336

दिनांक-23-08-2019 दिन - शुक्रवार

कक्षा-8 प्रकरण-क्या निराश हुआ जाए? **विषय-हिन्दी**

निराश,उदास नहीं होना हमको
रखें आशावादी दृष्टि, विचार।
दिल बैठे जो सुन सुन कर बातें
चोरी, तस्करी और भ्रष्टाचार ।

आधार है जीवन के अभी भी
सच्चाई , प्रेम, पर -उपकार।
सत्य ,अहिंसा, न्याय, सदभाव
संवेदनाओं का महत्व अपार।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

भारत की संस्कृति है कहती
दूर रहे लोभ, मोह, दुराचार।
ठगी,लूट ,आक्रोश बड़ा है
और बड़ा अधर्म, ब्यभिचार।
फिर भी है धर्म-कर्म ,नैतिकता
जीवन मे संदेह करो न बारम्बार ।

प्रेमलता सजवाण
सहायक अध्यापक
रा.पू.मा.वि.झुटाया
कालसी,देहरादून

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 333

दिनांक- 22अगस्त'19

दिन - गुरुवार

कक्षा-2, "नाव चली" विषय-हिन्दी

पाँच मित्रों ने बनाया प्लान है,
चलो मिलकर घूमें बड़ा संसार है।
गुबरेला बोला पर एक बाधा है,
तैरना हमको नहीं आता है।
मेंढ़क बोला हम तैराक हैं,
बाकी मित्र हो गए उदास हैं।।
पाँच मित्रों................ है।
ऐसा कभी न फिर रहे मौका,
चलो मिलकर हम बनाए नौका।
सब लेने चले सामान हैं,
जिससे बने उन सब की नाव है।।
पाँच मित्रों..................... है।
चूहा एक अखरोट का छिलका लाया,
चींटी उठा के लायी सरकंडा।
गुबरैला फिर एक धागा लाया,
नाव को मिलकर के बनाया।
उतरे नदी के सब पार है,
घूमा फिर सबने संसार है।।
पाँच मित्रों....है।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान। मिशन शिक्षण संवाद

रचना-पूजा दुबे(स०अ०)
प्रा० वि० बिहारा-1
ब्लॉक व जनपद-चित्रकूट

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 361

दिनांक- 05सितम्बर'19 दिन - गुरुवार

कक्षा-5,पाठ-14 **जया,जगत और जुगनू** विषय-हिंदी

जया और जगत खेल रहे थे,
शाम हुई अंधेरे घेर रहे थे।
हवा चले जब साँय-साँय,
सुनकर दोनों डर-डर जाएँ।

कुछ भी दिखाई दिया नहीं,
हवा में झाड़ियाँ हिलती रहीं।
खटर-पटर,धप-धप की आवाज जो आयी,
दोनों ने फिर अपनी तेज रफ्तार बढ़ायी।

एक गाय तेज़ी से दौड़ती निकली आगे,
दोनों का डर पल में हँसी में बदल कर भागे।
तभी जगमग करता एक जुगुनू आया,
जया और जगत के लिए उजाला लाया।

जया और जगत संग मस्ती करते,
जुगनू के पीछे-पीछे चलते रहते।

रचना-वन्दना यादव "ग़ज़ल"
अभिनव प्रा०वि०चन्दवक
डोभी,जौनपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 353

दिनांक- 1सितम्बर'19 दिन - रविवार

कक्षा-5

विजय पथ

विषय-हिन्दी

आओ सुनाऊँ तुमको एक कहानी।
एक था कछुआ,एक खरहा
अभिमानी।।

दोनों शर्त लगाते, चलो दौड़ लगाते,
साथियों को बुलाते, गंतव्य स्थल दिखाते।
घोषित दिन में शुरू हुई दौड़ाई।।
आओ ....

खरहा निश्चिंत था बिल्कुल,कछुआ करता तैयारी।
खरहा तेजी से भागा,मिली पेड़ की छाया।
सुस्ताने को बैठा,नींद है आई।।
आओ.......

खरहा सोता रहा, कछुआ चलता रहा।
कछुआ धीमा बहुत था,पर हार न माना।
चलते-चलते उसने मंजिल पाई।।
जीता कछुआ खरहे ने मुँह की खाई।
आओ सुनाऊँ.....

रचना-पुष्पा पटेल(प्र.अ.)
प्रा०वि०संग्रामपुर
क्षेत्र व जनपद-चित्रकूट

+919458278429

मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि
376

दिनांक- 12 सितंबर 2019
दिन - गुरुवार

कक्षा-5

जहां चाह वहां राह

विषय-हिन्दी

खेलें बच्चे दौड़- कबड्डी, पिट्ठू और झूला झूलें,
चुपचाप मगर बैठी इला खेलूं कैसे? मन में बोले ।

हँस लेती,गा लेती, बच्चे भी साथ निभाते थे,
जब 'धप्पा' को हाथ बढाती हाथ नही उठ पाते थे ।

इला ने अपने हाथों की इस जिद को चुनौती माना,
पैरों से ही करना सीखा चौका, बर्तन,लिखना, खाना।

विद्यालय में ले प्रवेश दसवीं तक की शिक्षा पाई,
उसके बाद कसीदाकारी-कढ़ाई में धाक जमाई ।।

जगह जगह लगी प्रदर्शनी, वस्त्र नमूने सजते हैं,
अनूठी मिसाल बनी इला अब पैर कभी नहीं थकते हैं।

बीना कण्डारी
रा.प्रा.वि. जोगियाणा (डोईवाला)
देहरादून

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 357

दिनांक- 03सितम्बर'19

दिन - मंगलवार

कक्षा-1 पाठ-18 जाड़ा,गर्मी और बरसात विषय-हिंदी

थर-थर-थर जब तन है काँपे,
मिल बैठ सब आग हैं तापे।
कोहरे से घबराएं जब हम,
ओढ़ रजाई बैठे तब हम।।
सर्दी का मौसम....टोपा लगाएं हम...

गर्म हवाएं जब चलती हैं,
सूर्य आग बरसाता है।
ठंडी-ठंडी आइसक्रीम पर,
सबका मन ललचाता है।।
गर्मी बेरहम....जूस पीते हम.....

घनघोर जब काली घटाएं,
आसमान में घिर कर आएं।
छम-छम करती पानी की बूँदें,
हम सबको गीला कर जाएं।।
बारिश बरसे झम...छाता लगाएं हम..

रचना-पूजा सचान (स.अ.)
EMPS प्रा०वि०मसेनी
विकास क्षेत्र- बढ़पुर
फर्रुखाबाद

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

काव्यांजलि मिशन शिक्षण संवाद

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 113

काव्यांजलि मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक- 4 मई 2019 दिन- शनिवार

कक्षा-5,पाठ-7 **जीवन के रंग** विषय-कलरव

कुछ कहते है उसको सनकी,
कुछ कहते है जुनूनी।
वह किसी की बात न सुनता,
अपने नियम पर डटकर रहता।।
साइकिल पर पेड़ो को लेकर,
रोज सुबह वह घर से जाता।
गीतों के द्वारा सबको,
हरियाली का पाठ पढाता।।

उसका सपना पेड़ लगाना,
जंगल को कटने से बचना।
इस सपने को पूरा करना,
शादी में सबकी पौधा देना।।
जिससे मिलता पौधा देता,
लोगों की शंका को बढ़ाता।

विभाग का अधिकारी बुलवाया,
रमइया को उनसे मिलवाया।।
रामइया ने पौधे को बढ़ाया,
उस पौधे का लाभ बताया।
पहले इस नीम को लीजिये,
इससे फिर दातुन कीजिए।

घर के मच्छर को भगाइए,
घर के पास पौधा लगाइए।।
रमइया के जुनून के पीछे
कहानी थी पुरानी,
बचपन के मास्टर की बात
याद रही जुबानी।
पेड़ है सबसे अनमोल,
उसकी कीमत का न मोल।

नए तरीकों को सिखाता,
सबको अपने साथ मिलाता।
हम सबका है एक ही नारा,
पेड़ लगाना कतर्व्य हमारा।।
धरती का अब श्रृगांर करो,
पोलीथीन का बहिष्कार करो।
जीवन अपना बचाना है,
धरती पर पेड़ लगाना है।।

रचना~ज्योति पटेल (स.अ)P.S.बरमपुर
क्षेत्र व जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 102

दिनांक- 28अप्रैल'19 दिन - रविवार

कक्षा-जूनियर स्तर

वचन

हिंदी व्याकरण

आओ मिलकर के सब जन
सीखेंगें हिंदी व्याकरण
और व्याकरण में सीखेंगें
आज वचन...आज वचन

कर्ता-वक्ता अगर एक हो
एक वचन दर्शाता,
कर्ता-वक्ता अगर बहुत हों
तो बहुवचन कहलाता
पाएँ कुछ अनमोल रतन
खेल-खेल में करें पठन
सीखेंगें हिन्दी व्याकरण

वो, मैं, तुम या नाम किसी का
एक वचन ही कहलाता
हम,वे या तुम सबको
बहुवचन पहचानो
मन में नूतन जगे लगन
खेल –खेल सीखे वचन
लिखें वचन..पढ़ें वचन

रचना

प्रवीणा दीक्षित
K.G.B.V कासगंज,

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 154

दिनांक- 24 मई'19 दिन - शुक्रवार

कक्षा-1

वर्णमाला

विषय-हिंदी

अ अ अ बोलो बच्चों अ,अनार अनार अनार,
अनार में दाने सौ।
आ आ आ बोलो बच्चों आ,मीठा मीठा आम,
चूस चूस के खा।
इ इ इ बोलो बच्चों इ,इमली होती खट्टी,
खट्टी खट्टी खट्टी।
ई ई ई बोलो बच्चों ई,पी पी पी,
मीठा दूध पी।
उ उ उ बोलो बच्चों उ,उल्लू करता देखो,
उ उ उ।
ऊ ऊ ऊ बोलो बच्चों ऊ,कौआ बैठा देखो,
करता काँऊ काँऊ।
ए ए ए बोलो बच्चों ए,बन्दर बैठा देखो,
करता खै खै।
ऐ ऐ ऐ बोलो बच्चों ऐ,जै जै जै,
भारतमाता जै।
ओ ओ ओ बोलो बच्चों ओ,खेल से होगा बाहर,
नहीं पढ़ेगा जो।
औ औ औ बोलो बच्चों औ,सौ सौ सौ,
गिनती पढ़ लो एक से सौ।
अं अं अं बोलो बच्चों अं,आओ खेलो मिलकर,
मिलकर खेलें संग।
अ: अ:अ:बोलो बच्चों अ:,सीखा मैंने अ से अ:,
सीखा मैंने अ से अ:।

रचना
जी एस बिष्ट
रा0 प्रा0 वि0 रैकूना टेकुरा
ब्लाक ओखलकांडा,
नैनीताल उत्तराखण्ड

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 112

दिनांक- 03 मई'19

दिन - शुक्रवार

कक्षा-1

खेल-खेल में

विषय ~हिन्दी

तितली रानी तितली रानी।
कितनी प्यारी कितनी न्यारी।
रंग रंगीले पंख सजीले,
लाल,गुलाबी,हरे और पीले।

अपने सुंदर पंख दिखाती,
सबको उनसे है सहलाती।।
कोई तुम्हें पकड़ने आता,
तब तुम फौरन ही उड़ जाती।।

दूर देश से आती हो,
फूल-फूल पर जाती हो।।
गुन-गुन गुन-गुन गाती हो,
कली-कली पर मंडराती हो।।

तितली रानी तितली रानी,
मेरी प्यारी तितली रानी।।
मेरी बगिया में जल्दी आना,
प्यारी प्यारी तितली रानी।

कली-कली पर मंडराती हो।।
इठलाती हो इतराती हो,
मीठे-मीठे रस को पीकर,
जल्दी से उड़ जाती हो।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

ज्योति जोशी,रा0 प्रा0 वि0 दीना हल्दुचौड़,हल्द्वानी
जिला-नैनीताल (उत्तराखण्ड)

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 168

दिनांक- 31 मई'19 दिन - शुक्रवार

कक्षा-6 पाठ-2

मेरा प्यारा गाँव

विषय- हिन्दी

गाँव-गाँव में खुशहाली छाई,
देखो फसल पकने को आई।
सुन्दर-सुन्दर बाग बगीचे,
हरे-भरे हैं,पर्वत ऊँचे।

खेत खलिहानों में होता साग,
वन जंगलों में गरजता बाघ।
उनसे ये,सब हैं डरते,
जल्दी जल्दी काम वो करते।

कैसी मनभावन, ॠतु है आई,
देखो इनकी दिनचर्या भाई।
गाँव-गाँव में खुशहाली छाई..

देखो शाम होने को आई,
गाँव-गाँव खुशहाली छाई।

कांफल पक गये,
हो गये लाल,
गेहूँ,जौ तैयार हुए,
कटने लगी उनकी बाल।

बच्चे-बूढ़े और जवान,
ये हमारे मित्र किसान।
सब मिलकर फसल उगाते,
सबको उसका स्वाद चखाते।।

आलू भी हो गया,तैयार भाई,
अगले महीने होगी,उसकी खुदाई।
देखो मेहनत रंग है लाई,
गाँव-गाँव,खुशहाली छाई।

देखो इनकी मेहनत भाई,
गाँव गाँव खुशहाली छाई..

रचना-
मन्जू जोशी
रा.उ.प्रा.वि.कनखर्या
क्षेत्र-धारी,जिला-नैनीताल,
उत्तराखण्ड

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 173

दिनांक- 03 जून'19

दिन -सोमवार

कक्षा-3

चाँद वाली अम्मा

विषय-हिन्दी

आसमान था बड़ा ही नटखट,
अम्मा से उसकी अक्सर,
होती रहती थी खटपट।
एक दिन आसमान ने अम्मा को,
मारी जोर से टक्कर,
अम्मा भी ले खड़ी हो गयी,
झाड़ू पकड़ के डटकर।
खींचा-तानी शुरू हो गयी,
अम्मा और आसमान में,
अम्मा को ले उड़ा आसमान,
अपने ही गुमान में।
एक ही झाड़ू था अम्मा का,
कैसे उसको छोड़े,
कैसे वापस आये नीचे,
किसके हाथ वो जोड़े।
तभी चाँद दिखा अम्मा को,
उतर गई वो वहीं पर,
नजर न आई बूढ़ी अम्मा,
फिर कभी धरती पर।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना,:-
भावना बिष्ट (प्र.अ.)
रा. प्रा.वि. ठाट,लमगड़ा,
जनपद-अल्मोड़ा,
उत्तराखंड

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 191

दिनांक- 12जून'19

दिन - बुधवार

कक्षा-4,पाठ-6

हाँ में हाँ

विषय-कलरव

राजकाज से थका एक राजा
मंत्री से ये बोला ,
गंगा स्नान चलो कर आएँ,
थका हुआ है चोला।

मंत्री बोला उत्तम विचार
चलिए हम चलते हैं ,
पहले किंतु हम एक
सवारी का प्रबंध करते हैं ।

हाथी,घोड़ा,ऊँट,पालकी
राजा ने गिनायी सवारी,
हाँ में हाँ मिलाने की आदत
पड़ी मंत्री को भारी।

राजा गिनाता सवारी का नाम
खूबियाँ गिनाना मंत्री का काम ,
नृप कहता जब कमियाँ उनकी
बताता वो ढेरों झाम।

विचार गंगास्नान का
राजा ने फिर त्याग दिया ,
मन चंगा कठौती में गंगा
बस इस पर ही ध्यान दिया।

मेरे प्यारे प्यारे बच्चों तुम
इस आदत से बचना ,
हाँ में हाँ नहीं मिलाना
सदा सच ही कहना ।

रचना-गीता यादव,(प्र.अ.)p.s,
मुरारपुर,क्षेत्र-देवमई,जनपद-
फतेहपुर,

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि
मिशन
शिक्षण
संवाद

काव्यांजलि 166

काव्यांजलि
मिशन
शिक्षण
संवाद

दिनांक- 30 मई'19

दिन - गुरुवार

कक्षा-4

पर्यायवाची शब्द

विषय-हिन्दी/संस्कृत

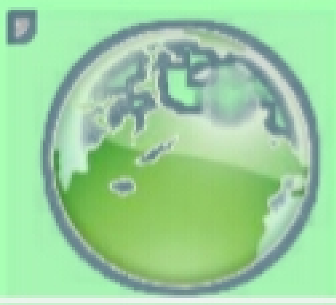

धरनि, धरा, धरती, भूलोकम्
भूधर, पर्वत, गिरि, नग, अचलम्
जलद, पयोद, वारिद, घन, मेघम्
अनल, वायु, मारुत, गगन, समीरम्
अग्नि, दहन, पावक, अनल, आग, दहनम्
सूर्य, रवि, भास्कर, भानु, आदित्यम्
तनय, तनुजा, पुत्री, सुता, दुहिताम
आत्मज, पूत, सुत, लाल, पुत्र, नन्दनम्
वारि, नीर, तोय, अम्बु, जल, सलिलम्
तरू, पादप, द्रुम, वृक्ष, विटपम्
आकाश, गगन, अम्बर, व्योम, नभ, शून्यम्
अहम, दिवा, वासर, दिन, दिवसम्

रचना~
साहब सिंह
बर्तवाल(स.अ.)
रा.प्रा.वि.चौरा, नैलचा
मी (भिलंगना) टिहरी
गढ़वाल(उत्तराखंड)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 160

दिनांक-27 मई'19 दिन - सोमवार

कक्षा-5 पाठ-6 चिट्ठी का सफर विषय-हिन्दी

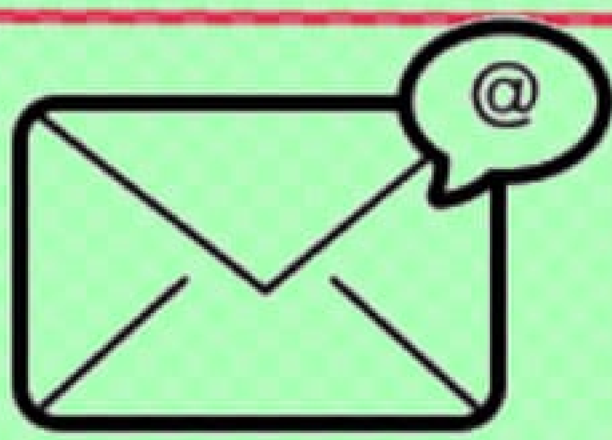

इंसान के मन में,आया एक विचार।
दूर-दूर से कैसे आएं जाएं समाचार।।
धुएँ से, ढोल बजाकर,या फिर पताका फहराया।
किसी तरह भी इंसान ने,सन्देश वहाँ तक पहुँचाया।।
संचार के इस साधन में,जरूरत से हुआ विकास।
कबूतरों को प्रशिक्षण देकर,पहुँचाये गए सन्देश खास।।
महाराजाओं ने सन्देश भेजने में,दूत का सहारा लिया।
युद्ध हो या हो सन्धि,सन्देश इसी विधि से दिया।।
विकास के इस नए दौर ने,समय के साथ बदलाव किया।
जन-जन तक सन्देश भेजने,डाक विभाग का जन्म हुआ।।
15 अगस्त सन बहत्तर में,'पिनकोड' नम्बर दिया तब।
6 अंकों की इस संख्या में,होता है सबका मतलब।।
पोस्ट कार्ड,अंतर्देशीय,व लिफ़ाफ़े में,टिकट पर लगा दी मुहर।
'हरकारा' पहुँचता सन्देश,गांव-गांव और शहर-शहर।।
अब ये कहानी भी हुई पुरानी,विज्ञान ने चमत्कार किया।
फोन, सेलफोन,ई-मेल,इंटरनेट ने,पल भर में सन्देश दिया।।

रचना- दीपा आर्य,(प्रधानाध्यापिका)
राजकीय प्राथमिक विद्यालय लमगड़ा,
विकास खण्ड-लमगड़ा, जनपद-अल्मोड़ा,
उत्तराखंड

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 157

दिनांक- 26 मई'19

दिन - रविवार

कक्षा-1

रेल गीत

विषय- हिंदी

आओ मिलकर खेलें खेल।
डिब्बा मिला और बन गई रेल।
आगे इंजन दौड़ा जाता।
छुक.. छुक..छुक..छुक..
पीछे देखो डिब्बा आता।
छुक.. छुक..छुक..छुक..
डिब्बे से डिब्बे से जुड़ गया डिब्बा
जुड़ गया जुड़ गया दौड़ी रेल।
आओ मिलकर खेले खेल।।

इंजन ने डिब्बे को कैसे कस्सा।
छुक.. छुक..छुक..छुक.
लगे न धक्का लगे न रस्सा।
छुक..छुक..छुक.. छुक..
पीछे से पीछे से पीछे न देखो
पीछे से किसने दिया धकेल।
आओ मिलकर खेले खेल।।

किसी में कोयला,किसी में छड़।
छुक. छुक.. छुक.. छुक..
सीमेंट किसी में,किसी में रबड़।
छुक..छुक..छुक..छुक
गुड्स ट्रेन गुड्स ट्रेन मालगाड़ी आई।
आई है देखो बनकर रेल।
आओ बच्चों खेलें खेल।।

किसी में लोग बैठे हैं।
छुक..छुक.. छुक..छुक
किसी में लोग सोते हैं।
छुक..छुक..छुक..छुक..
ठंडा सा, ठंडा सा,ए.सी.का डिब्बा
सरपट सांय सांय आई मेल।
आओ बच्चों खेले खेल।।

रचना
आराधना सिंह (प्र.अ)
U.P.S,पिपरोदर
क्षेत्र-पहाड़ी,जनपद-चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आप सभी का दिन शुभ हो।

काव्यांजलि मिशन शिक्षण संवाद

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 178

काव्यांजलि मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक-05 जून'19

दिन -बुधवार

कक्षा-6

प्यारी चिड़िया

विषय-हिन्दी

देखो सुन्दर प्यारी चिड़िया,
सुन्दर पंखों वाली चिड़िया।
हमको बहुत है भाती चिड़िया,
भोर भये, जग जाती चिड़िया।

दिनभर धूम मचाती चिड़िया,
दाना चुगकर लाती चिड़िया।
बच्चों की भूख मिटाती चिड़िया,
डाल-डाल पर बैठी चिड़िया।

हमको साथ जगाती चिड़िया,
रंग-बिरंगे पंखों वाली चिड़िया।
अपना नीड़ बनाती चिड़िया,
सुन्दर उसे सजाती चिड़िया।

झूला खूब झुलाती चिड़िया,
मीठी तान सुनाती चिड़िया।
पास जाओ डर जाती चिड़िया,
बच्चों को है, प्यारी चिड़िया।

रचना -मन्जू जोशी,स.अ.
रा.उ.प्रा.वि.कनर्खा,
क्षेत्र धारी,नैनीताल उत्तराखंड.

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 183

दिनांक- 08जून'19

दिन -शनिवार

कक्षा-2 पाठ-18

~परी~

विषय-कलरव

जाड़े के दिन थे ठंड बड़ी,
आसमान में परी उड़ी।
धरती पर जब नजर पड़ी,
दिखी रंग बिरंगी फूलों की लड़ी।

मधुमक्खी हो गयी उदास,
बोली क्या करना कल की आस।
आज जो छोड़ी जिम्मेदारी,
कल गिर सकती बर्फ है भारी।

परी पास आ हुई खड़ी,
नजर उसकी तितली पे पड़ी।
एक मधुमक्खी लगी पड़ी,
छत्ता बनानें में व्यस्त बड़ी।

परी हँसी और हँसकर बोली,
बनवा दूं जो जल्दी खोली।
बुलवा कर मक्खियों की टोली,
फिर तो बनोगी हमजोली?

आओ खेलें बोली परी,
मधुमक्खी नें ना ही करी।
खेल लो फिर करना काज,
छत्ता छोड़ो खेल लो आज।

पलक झपकते आ गयी टोली,
भर दी छत्ते की शहद से झोली ।
सबनें मिल की हँसी ठिठोली,
नाची गायी मिलकर हमजोली ।

रचना-
छवि अग्रवाल (स.अ.)
P.S.बनपुरवा(अंग्रेज़ी माध्यम)
विकास क्षेत्र काशी विद्यापीठ
वाराणसी

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 170

दिनांक- 01जून'19

दिन - शनिवार

कक्षा~7

रक्त और हमारा शरीर

विषय-हिन्दी

पाठ-6

दिव्या हुयी बड़ी कमज़ोर,
एनीमिया का बढ़ा था ज़ोर।
डॉक्टर दीदी ने बताई बात,
एनीमिया से बिगड़े हालात।

पर चिंता की कोई बात नहीं,
दवा खाने से हो जायेगी सही।
एनीमिया क्या होता दीदी?
भैया ने डॉक्टर से बात पूंछी।

एनीमिया को पहचानो तुम,
रक्त के बारे में जानो तुम।
रक्त के हैं भाग दो,
पहला प्लाज़्मा अब दूजा सुनो

दूजे लाल व सफ़ेद रक्त कण,
छोटे-बड़े कणों का मिश्रण।
संख्या इनकी लाखों में,
जीवन चार महीनों में।

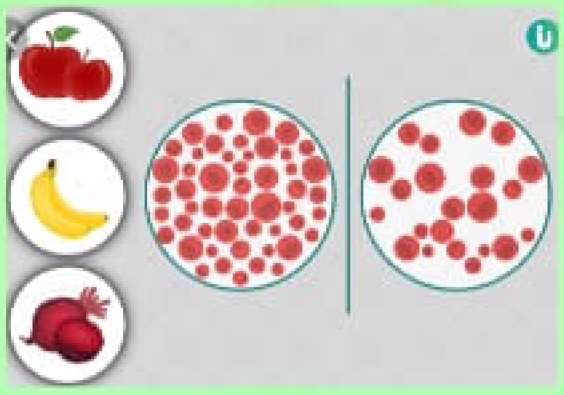

मज्जा होता हड्डियों के बीच,
उगते जहाँ लाल रक्त बीज।
मिले यदि पौष्टिक आहार,
नहीं होता रोगों का प्रहार।

रक्त कणों की होती कमियाँ,
तब होता है एनीमिया।
दूध,फल, साग,सब्ज़ी,अंडा,
बीमारी दूर करने का फंडा।

हाथ धोकर खाना खायें,
खाने को हम खूब चबायें।
खुले में न शौच जायें,
नंगे पैर न बाहर जायें।

छः माह में एल्बेंडाजोल खिलायें,
एनीमिया को दूर भगायें।

रचना -मन्जू जोशी,स.अ.
रा.उ.प्रा.वि कनखर्ा,
क्षेत्र धारी,नैनीताल उत्तराखंड.

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 162

दिनांक- 28 मई'19

दिन - मंगलवार

कक्षा-3 पाठ-12 **बच्चों के पत्र** विषय- हिंदी

अपना गाँव है सबसे सुंदर,
साफ-सुथरी है हवा यहाँ।
है ना कोई प्रदूषण का डर,
चारों ओर हरियाली यहाँ।।

अबला अपने खेतों में,
दिनभर करती काम यहाँ।
घर आँगन में फल-फूलों से,
लदी हुई है डाल यहाँ।।

पेड़ सुनाते मधुर स्वरों में,
अपने प्यारे गीत यहाँ।
नदी झरनों की कल-कल धुन
में,लहराते हैं खेत यहाँ।।

रोज सुबह सूरज की किरणों से,
पेड़ों पर चमकती ओस यहाँ।
सुंदर-सुंदर खलियानों में,
अपना तो है स्वर्ग यहाँ।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना -
भगवती भट्ट (स.अ.)
रा.प्रा.वि.गंगनौला
वि.खं -लोहाघाट
जनपद -चंपावत
उत्तराखंड

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 216

दिनांक- 24 जून'19

दिन -सोमवार

कक्षा-1 व 2

तितली रानी

विषय-हिन्दी

तितली रानी,तितली रानी,
देखो करती है मनमानी।

रंग-बिरंगे पंखों वाली,
डाल-डाल पर उड़ने वाली।

इतराती,इठलाती जो,
मन को बहुत है भाती वो।

ये तो है जानी पहचानी,
तितली रानी, तितली रानी।

फूलों पर है मंडराती,
हाथ लगाओ,उड़ जाती।

जब ये फूलों पर मंडराई,
तब भँवरे से,हुई लड़ाई ।

मधुमक्खी को आया गुस्सा,
इसने मारा उसको मुक्का।

पंख को उसके,इसने मोड़ा,
इन दोनों ने नाता तोड़ा।

रचना-
मन्जू जोशी
(स.अ.)
रा.जू.हा.कनर्खा,
क्षेत्र-धारी
नैनीताल
(उत्तराखंड)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 182

दिनांक- 07 जून'19 दिन -शुक्रवार

कक्षा-8 पाठ -3 "जैसे को तैसा" विषय-हिन्दी

एक छोटी सी दुकान रंगाई की,
प्रशंसा करे सब उसकी रंग-रंगाई की।
एक सेठ जला उसकी बड़ाई से,
इक तरकीब बनाई चालाकी से।
तुम्हारी रंगाई मुझको है भाई,
जरा इस कपड़े को रंग दे भाई।
पूछा कौन सा रंग रंगवाना है,
लाल, हरा, नारंगी, पीला नहीं
सफेद,काला,नीला,आसमानी मुझे पसंद नहीं।
समझ गया मंसूबा उसका,
कि कैसे रंगेगा उसका कपड़ा।
कहा सोम,मंगल,बुध,वृहस्पतिवार न आना,
शुक्र,शनि,रविवार छोड़ किसी भी दिन आना।
पड़ गई उसकी चाल उसको ही भारी,
धीरे से खिसकने में ही है भलाई।
सबक मिल गया उसको ऐसा,
जैसे मिलता है 'जैसा को तैसा'।

रचना--हरीश सिंह पुजारी
रा०प्रा०वि० चौबाटी,डीडीहाट
जिला-पिथौरागढ़ (उत्तराखण्ड)

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 230

दिनांक-1 जुलाई'19

दिन -सोमवार

कक्षा-1

~मेरा जन्मदिन~

विषय-हिन्दी

मम्मी ने सुलाया मुझे,
रात को सपना आया।
मेरा हैपी बर्थ डे मिलकर,
परियों ने मनाया।।

मैंने सबसे पहले उससे,
केक उठाया।
मेरा हैपी बर्थ डे मिलकर,
परियों ने मनाया।।

टाफियों के पेड़ थे,
चाकलेट की झाडियां।
शरबत की नदी मे देखो,
रसगुल्लों की पहाड़ियाँ।।

मैं सोयी रात मे लेकर,
गुडिया हाथ में।
परियों की शहजादी मुझको,
ले गयी अपने साथ में।।

मैंने सबसे पहले उनको,
झमझम नाच दिखाया।
मेरा हेपी बर्थ डे
परियों ने मनाया।।

रचना-नन्दी बहुगुणा(प्र.अ.)
रा.प्रा.वि.रामपुर
नरेन्द्रनगर टिहरी गढ़वाल
उत्तराखंड

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 194

दिनांक- 13 जून'19

दिन -गुरुवार

कक्षा-5 पाठ -2

फसलों के त्योहार

विषय-हिन्दी

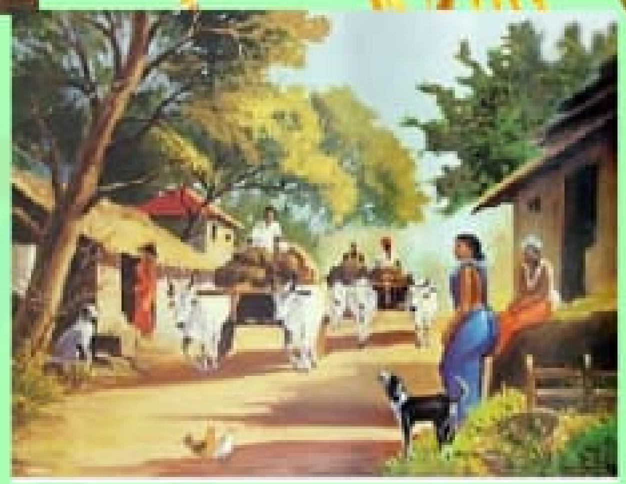

देखो फसल पकने को आई,
सबके मन में खुशियाँ छाई ।
चना,मसूर,गेहूँ की कटाई ,
कहीं हो रही,आलू की खुदाई ।
होने लगी मक्के की बुआई,
फिर होती है ,भूमि पूजाई।
फसल देख, किसान हरसाया,
उसने फिर त्योहार मनाया ।
सब देवों को लगा मनाने,
बना प्रसाद,लगा चढ़ाने ।
प्रकृति की पूजा,करें आदिवासी,
धान की पूजा,होती है आशीर्वादी
सब मिल ये नृत्य कराते,
फूलों के ये,पौंध लगाते ।
सब मिल देखो,चन्दा उघाते,
चन्दे में ये,मुर्गा,मिश्री,चावल लाते।
सबको मिलती ,अपनी ठौर(स्थान),
फिर चलता खाने का दौर ।

रचना-मन्जू जोशी(स०अ०)
रा०जू० हा०कनर्खा, क्षेत्र धारी
नैनीताल (उत्तराखंड)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

आप सभी का दिन शुभ हो।

काव्यांजलि मिशन शिक्षण संवाद

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 177

दिनांक- 5जून'19

दिन - बुधवार

कक्षा-2 पाठ-14

मैं कौन हूँ?

विषय-कलरव

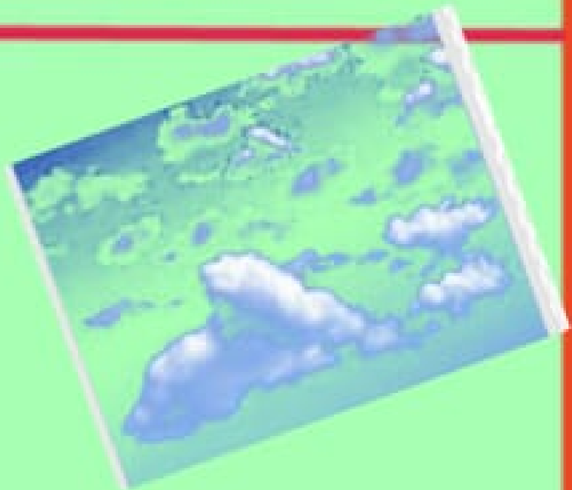

मैं बादलों में छुपकर ,आसमान में रहता हूँ ।
बरस केआऊँ धरती पर,नदी बनकर बहता हूँ ।।
मैं स्त्रोतों में, तालाबों और झीलों में मिलता हूँ ।
सब मुझमें मिल जाते तो, मैं समुद्र में पहुँचता हूँ ।।
भाप बन बादल सा ,मस्त मैं उड़ जाता हूँ।
नल से,कुओं से,मैं ही निकाला जाता हूँ।।
मुझसे ही नहाते-धोते,तुम अपनी प्यास बुझाते हो।
अपनी भूख मिटाने को,मुझसे ही खाना पकाते हो ।।
पशु-पक्षी,पौधे और किसान,पीकर मिले सबको प्राण।,
फसलों को सींचते हो,अब करो तुम सब मेरी पहचान। ।
मैं हूँ तो ही जीवन है ,स्वच्छ रखो तुम मुझको।
जरूरत से ज्यादा न व्यर्थ करो,जल यह समझाये तुमको।।

रचना~
वन्दना यादव "ग़ज़ल" (स.अ.)
अभिनव प्रा.वि.चन्दवक
डोभी,जनपद-जौनपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 355

दिनांक- 02सितम्बर'19

दिन - सोमवार

कक्षा-1 व 2

विषय-हिंदी

फलों की दुनिया

आओ बच्चों तुम्हें ले जाऊँ फलों की दुनियाँ में।
आम, केला, सेब, संतरा रहते इस बगिया में।।
सबने मिलकर बनाया अपना एक राजा।
नाम है उसका आम है सबसे मीठा ताजा।।

लाल - लाल यह सेब है देखो ठंडे प्रदेश से आये।
मंत्री बन ये राजा का सबकी सेहत बनाये।।
केला बोला देखो मै भी रक्षा करूंगा सबकी।
गर लो दूध के साथ मुझे तो सेहत बनाऊँ सबकी।।

पीला पपीता, हरा अमरूद भी बहुत काम का।
स्वास्थ्य बनाये सबका जो करे इसका नाश्ता।।

सभरे संतरा और अंगूर भी सबको भाते।
फलों की इस दुनियाँ में खूब नाम कमाते।
कटे-फटे दूषित फलों को तुम सब कभी ना खाना।
फैलाए कीटाणु रोग के इनसे दूर ही रहना।।

ताजे और मीठे फलों का ही तुम सेवन करना।
रोगों को ये दूर भगाये मानो मेरा कहना।।

अर्चना अरोरा (प्र.अ.)
प्रा. वि. बरेठर खुर्द
विकास खंड - खजुहा
जनपद-फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

+919458278429

आप सभी का दिन शुभ हो।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि 356

दिनांक-02सितम्बर'19 दिन - सोमवार

कक्षा-3 **"कब आऊँ"** विषय-हिंदी

अवंती जी की छोटी सी दुकान बड़ी रंग लाई,
कपड़े रंगने की कला, लोगों को बहुत ही भायी।
एक सेठ,बड़ा ईर्ष्यालु ,उसने इक योजना बनाई,
कपड़ा देकर बोला ,इसकी कर दो खास रंगाई।

नही रंगना तुम सफेद,लाल,नारंगी, नीला,
हरा,आसमानी,बैंगनी,भूरा,काला व पीला।
सोच समझकर अवंती ने जवाब सेठ को दिया,
एक शर्त है मेरी,आप इसे लेने जब आएं,

सोम, मंगल, बुध,वृहस्पति, शुक्र,शनि, रवि
वार को छोड़ कर, किसी दिन भी इसे ले जाएं।"
उल्टी पड़ी चाल सेठ की,खिसकने में थी भलाई,
कपड़ा रंगाने की उसे फिर कभी न हिम्मत आई।

रचना-
दीपा आर्य,(प्र.अ.)
रा. प्रा. वि.लमगड़ा,
अल्मोड़ा,उत्तराखंड

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

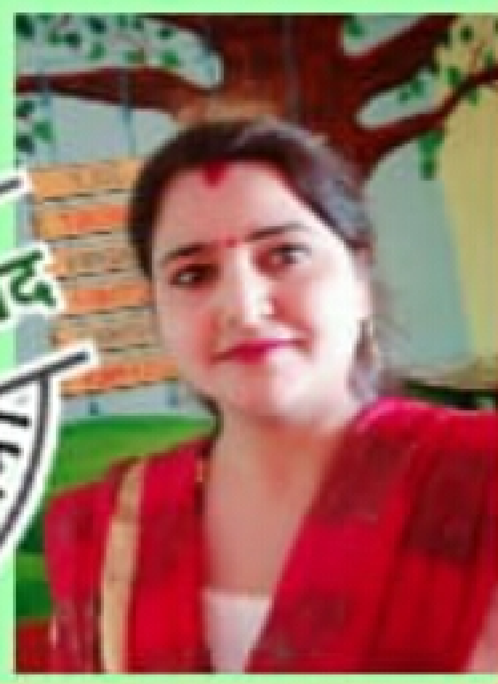

+919458278429

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि टीम

प्रेरणा स्रोत-विमल कुमार जी

उत्तराखंड

- मीनाक्षी उनियाल
- प्रेमलता सजवाण
- नीरज पन्त

टीम प्रभार,U.K-
लक्ष्मण सिंह मेहता

टीम प्रभार,U.P.
आर.के.शर्मा

उत्तर प्रदेश

- पूजा सचान
- ज्योति कुमारी
- साकेत बिहारी शुक्ल
- प्रवीणा दीक्षित
- रीना सैनी
- आशीष कुमार शुक्ल
- वन्दना यादव
- नवीन पोरवाल
- गीता यादव
- पूजा दुबे
- मनीष कुमार वर्मा

काव्यांजलि की कविताएं,बच्चों के मन भाएँ।